DM डिफेंस मॉनिटर
DEFENCE MONITOR
June – July 2015

वैभव गुप्ता
निदेशक एमकेयू

एमकेयू : तालों से बुलेट प्रूफ जैकेट तक का सफर

डिफेंस मॉनिटर ब्यूरो

ताले और हेलमेट जैसे सामान्य से उत्पाद बनाने वाली, लघु उद्योग वर्ग की एक कंपनी की कामयाबी की कहानी नए उद्यमियों के लिए किस हद तक प्रेरक और मार्गदर्शक हो सकती है, इसका उदाहरण कानपुर की एमकेयू कंपनी है। यह कंपनी आज 100 से अधिक देशों की 230 सेनाओं के लिए बुलेटप्रूफ जैकेट और अन्य आधुनिकतम सुरक्षा सामग्री का निर्यात करती है। इसका सालाना कारोबार 150 से 200 करोड़ रुपए के आसपास है। एमकेयू कंपनी के निदेशक वैभव गुप्ता के साथ डिफेंस मॉनिटर की रोचक और प्रेरणास्पद जानकारियों भरी बातचीत के प्रमुख अंश :

आपकी कंपनी कितने वर्षों से सेनाओं और अर्ध सैनिक बलों के लिए बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट आदि सुरक्षा कवच बना रही है और एमकेयू ने रक्षा-उत्पादन क्षेत्र में कैसे कदम रखा?

हमारी कंपनी कानपुर में पिछले 25 वर्षों से रक्षा कवच बनाने का काम कर रही है। इससे पहले हम ताले बनाया करते थे। लेकिन, जब ताला बनाने वाली बड़ी कंपनियों ने छोटी कंपनियों को खरीदना शुरू कर दिया तो हमारे लिए अस्तित्व बनाए रखना कठिन होने लगा। उन दिनों देश में हेलमेट बनाने का काम शुरू हो गया था। हमने ताले बनाने का काम बंद कर, बहुत मामूली से निवेश से हेलमेट बनाने का काम शुरू किया। कंपनी के लिए नए विचारों के साथ-साथ उन्हें कामयाब बनाने के लिए हमारे बाबू जी स्वर्गीय जी.के.गुप्ता जी ने कड़ी मेहनत की और कामयाबी दिलाई। उसी दौर में सेना फाइबर ग्लास के हेलमेट काम्बेट के नाम से हेलमेट खरीदती थी। ये हेलमेट .22 गन की बुलेट से सुरक्षित रहते थे। इसके बाद हमने सोचा कि क्यों न हम और घातक गोलियों से सुरक्षा देने वाले हेलमेट बनाएं। लेकिन, हमारे पास टेक्नोलॉजी नहीं थी। लिहाजा, हम यूरोप की कुछ कंपनियों में गए। उन कंपनियों से हमें इस काम को करने से जुड़ी अनेक महत्त्वपूर्ण जानकारियां मिलीं और हमने बेहतरीन क्वालिटी के बुलेट प्रूफ हेलमेट बनाने शुरू किए। सेना को हमारे हेलमेट की क्वालिटी अच्छी लगी और हम इनकी आपूर्ति करने लगे। जब हम बुलेटप्रूफ हेलमेट बनाने में कामयाब हो गए तब हमने सोचना शुरू किया कि क्यों न हम, बुलेट प्रूफ जैकेट भी बनाएं। हमने ऐसे जैकेट बनाने शुरू कर दिए। हमारे प्रोडक्ट 100 से अधिक देशों की, 250 सेनाओं और पुलिस बल के लिए निर्यात होते हैं। आज हमारा सालाना कारोबार 150 से 200 करोड़ रुपए के बीच होता है।

बुलेट प्रूफ हेलमेट

यह माना जाता है कि रक्षा क्षेत्र में किसी कंपनी को मुनाफा कमाने के लिए लंबे समय का इंतजार करना पड़ता है। क्या आपके साथ भी ऐसा रहा?

हमारी फिलॉसफी है कि हम 'कंफर्ट जोन' में काम नहीं करेंगे। इसलिए हमने विदेशों में निर्यात का फैसला किया। आज जो भी रक्षा इंडस्ट्री कामयाब हो रही हैं, वे निर्यात के बूते ही कामयाब हो रही हैं। हमने यह बात 25 साल पहले सोच ली थी। अब देश की बड़ी कंपनियों को भी यह बात समझ आने लगी है कि बिजनेस में टिके रहना है तो निर्यात करना अनिवार्य है। आज हम जहां देश की जरूरत को पूरा कर रहे हैं, वहीं विदेशों को भी अपने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं।

जब आप अपना माल निर्यात करते हैं तो आपको क्वालिटी पर खास ध्यान देना पड़ता है। और, जब आप क्वालिटी उत्पाद तैयार

DM डिफेंस मॉनिटर
June – July 2015

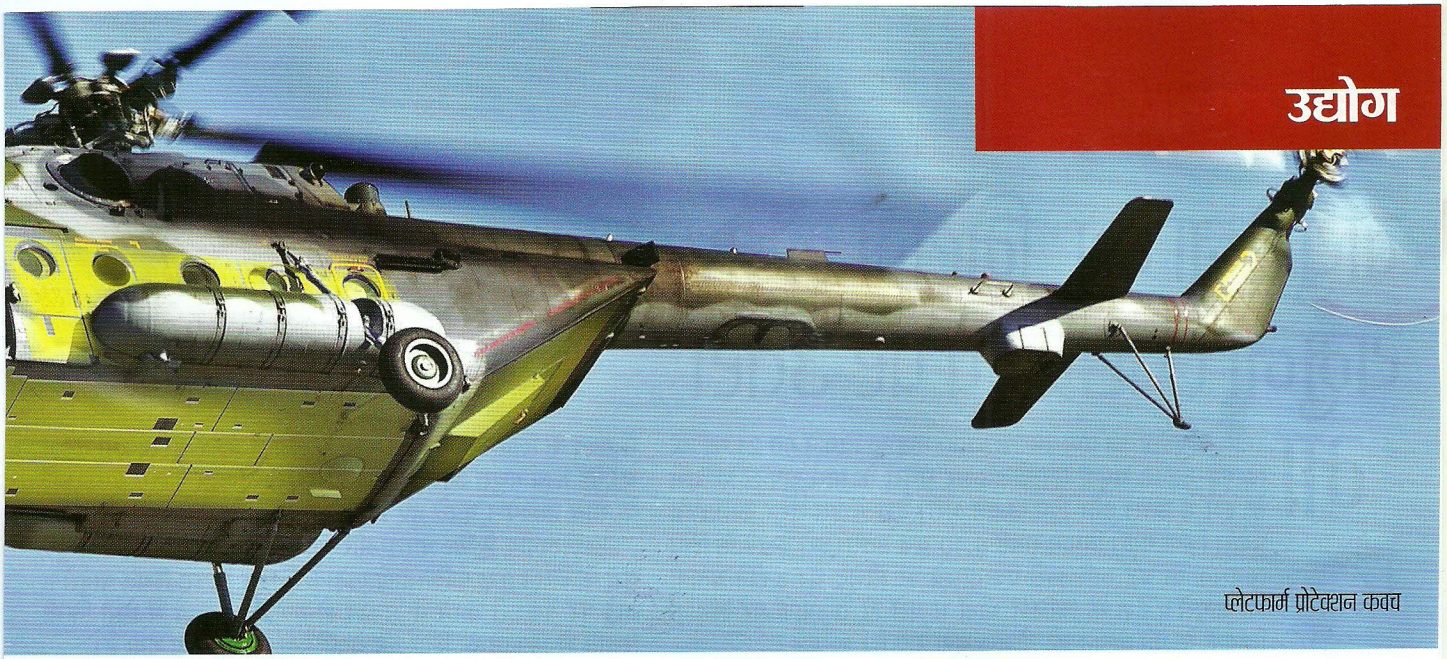

प्लेटफार्म प्रोटेक्शन कवच

करते हैं तो सेनाओं को भी आपका उत्पाद पसंद आता है। हमारे साथ ऐसा ही हुआ। हम अपने प्रोडक्ट निर्यात करते रहे और गुणवत्ता सुधारते रहे। लिहाजा भारतीय सेना और अर्ध सैनिक बलों को हमारे उत्पाद पसंद आ गए।

लेकिन क्वालिटी प्रोडक्ट बनाने पर ज्यादा लागत आती है और उत्पाद महंगा हो जाता है। ऐसे में कम कीमत पर ऐसे ही उत्पाद बनाने वाली कंपनियों से कैसे प्रतिस्पर्धा करते हैं?

इसका सीधा सा जवाब है कि आप अपने उत्पाद में, इतना नयापन लाएं कि प्रतिस्पर्धी का उत्पाद उससे हल्का रहे। यह बात याद रखने की है कि हम जो उत्पाद बनाते हैं, यदि उसकी क्वालिटी अच्छी होगी तो किसी की जान बच सकती है, क्वालिटी खराब होगी तो जान जा सकती है। हम इसी बात को ध्यान में रखते हुए अपने बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट आदि बनाते हैं। हम अपने कारोबार का 5 से 10 फीसदी खर्च आर एंड डी पर करते हैं और नई विशेषताओं वाले उत्पाद लाते रहते हैं। जो कंपनियां आर एंड डी में निवेश नहीं करेंगी, वे धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी।

इंस्टावेस्ट बुलेट प्रूफ जैकेट

आपके उत्पाद किन देशों को निर्यात होते हैं?

हमें हाल ही में इक्वाडोर से एक बहुत बड़ा आर्डर मिला है। इसके अलावा मध्य-पूर्व के देशों तथा यूरोपीय देशों में भी हमारे प्रोडक्ट निर्यात किए जाते हैं। जर्मन थलसेना और नौसेना को भी हम अपने प्रोडक्ट निर्यात करते हैं। हमने अपनी एक कंपनी एमकेयू जीएमबीएच के नाम से जर्मनी में भी खोली है।

एमकेयू कंपनी के मुख्य प्रोडक्ट कौन से हैं?

हम हेमलमेट बना रहे हैं, बॉडी आर्मर यानी बुलेट प्रूफ जैकेट या कवच बना रहे हैं, साथ ही प्लेटफार्म प्रोटेक्शन कवच भी बना रहे हैं जिन्हें लगा कर हेलीकॉप्टर, जंगी जहाजों और सेना के वाहनों को सुरक्षित किया जा सकता है। इसके अलावा हम नाइट विजन डिवाइस बनाने के क्षेत्र में भी उतर रहे हैं। सेना या पुलिस के जवान जो बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट के साथ ऑपरेशन करते हैं, उनके लिए नाइट विजन डिवाइस भी जरूरी होती है। इसलिए हम इस उत्पाद को बनाने जा रहे हैं। इन्हें बनाने के लिए हमें इंडस्ट्रियल लाइसेंस मिल चुका है। सेना और नौसेना के लिए 44 हजार कार्बाइन नाइट साइट का टेंडर, हाल ही में निकला है। इस सौदे के लिए एमकेयू भी प्रतिस्पर्धा में है।

एमकेयू के प्लेटफॉर्म प्रोटेक्शन प्रोडक्ट के बारे में कुछ बताएं। इसे यदि हेलीकॉप्टर पर लगया जाए तो क्या उसका वजन नहीं बढ़ेगा?

यह एक सुरक्षा कवच होता है। यदि इसे किसी हेलीकॉप्टर में लगाया जाए तो वह गोलियों की मार से सुरक्षित रहता है। उदाहरण के लिए, यदि आप एमआई-17 जैसे हेलीकॉप्टर पर, करीब 20 वर्ग फीट आकार का स्टील का प्लेटफॉर्म कवच लगाते हैं तो इसका वजन करीब एक टन होता है। लेकिन हम कंपोजिट मेटेरियल का 'मॉड्यूलर शूट्ज' समाधान देते हैं। इसे आप जरूरत पड़ने पर हेलीकॉप्टर में लगाएं और जरूरत न हो तो आसानी से हटा दें। इसका वजन मात्र 300 कि.ग्रा. है।

हाल ही में आपकी कंपनी को आपके प्रोडक्ट इंस्टावेस्ट के लिए, रक्षा क्षेत्र में एक्सेलेंस इन इनोवेशन अवार्ड मिला है। यह प्रोडक्ट क्या है और इसकी विशेषता क्या है?

इंस्टावेस्ट का आइडिया हमें अमेरिका के एक प्रोग्राम से मिला। उनकी सेना को ऐसा क्विक रिलीज जैकेट चाहिए जिसे सैनिक के घायल होने या पेट्रोल बम से जलने की स्थिति में, तुरंत उसके शरीर से उतारा जा सके। अमेरिकी क्विक रिलीज जैकेट को आईओटीवी वेस्ट कहा जाता है जिसे उतारने में 2-3 मिनट और पहनने में 5-20 मिनट लग जाते हैं। लेकिन, यह क्विक रिलीज कैसे हुआ? हमने अपने आप चुनौती ली और अपने साधनों से ही एक तुरंत खोली जा सकने वाली जैकेट तैयार की जिसका नाम है इंस्टावेस्ट। हमने जो इंस्टावेस्ट जैकेट बनाई है, उसे उतारने में एक सेकेंड लगता है और फिर पहनने में 15-20 सेकेंड।

एमकेयू कंपनी की आज पूरी दुनिया में एक पहचान है। अमेरिकी कंपनियों को भी जब अपने प्रतिस्पर्धियों के नाम घोषित करने पड़ते हैं, तो उन नामों में एक नाम एमकेयू भी है। इस तरह हम अपने उत्पादों की गुणवत्ता के कारण अपनी पहचान बनाने में सफल हुए हैं।●